भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2294

सोमवार, 5 अगस्त, 2024/14 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

धार्मिक पर्यटन सर्किट का विकास

†2294. श्री कोडिकुन्नील सुरेशः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का चक्कुलाथकावु मंदिर और सेंट कुरियाकोस एलियास चवारा के मकबरे को जोड़ने वाला एक धार्मिक पर्यटन सर्किट शुरू करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को इस संबंध में केरल राज्य सरकार से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो इस पर की गई कार्रवाई क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' तथा 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' की अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास में सहायता करता है। इन योजनाओं के अंतर्गत, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से अवसंरचनात्मक हस्तक्षेप किए जाते हैं। पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अवसंरचना विकास के संबंध में इस मंत्रालय को विभिन्न स्रोतों से समय-समय पर अभ्यावेदन/प्रस्ताव प्राप्त होते हैं और योजना दिशानिर्देशों तथा निर्दिष्ट कार्यप्रक्रिया के अनुसार इन प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है।

प्रशाद और स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत उक्त धार्मिक पर्यटन परिपथ के विकास के लिए पर्यटन मंत्रालय में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

तथापि प्रशाद योजना के अंतर्गत केरल में 45.19 करोड़ रुपए की लागत से “गुरुवायूर मंदिर का विकास” परियोजना को स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त, स्वदेश दर्शन योजना के तहत केरल में 312.47 करोड़ रुपये की संयुक्त लागत से पांच थीम-आधारित परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। ये परियोजनाएं हैं: पत्तनमतिट्टा - गावी - वागामोन - तेक्कडी का विकास, सबरीमाला - इरूमेली - पम्पा - सन्निधानम का विकास, श्री पद्मनाभ अर्णमुला का विकास, मालानाड - मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास और शिवगिरि श्री नारायण गुरु आश्रम - अरूवीपुरम - कुन्नुमपारा - श्री सुब्रह्मणिया - चेम्बाझंती - श्री नारायण गुरुकुलम का विकास। इसके अलावा, केरल में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत विकास के लिए दो गंतव्यों, कुमारकोम और कोझीकोड (बेपोर) को चिह्नित किया गया है। इनमें से स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 13.92 करोड़ रुपये की लागत से ‘कुमारकोम’ में 'कुमारकोम पक्षी अभ्यारण्य अनुभव' परियोजना को मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, स्वदेश दर्शन 2.0 की ‘चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)’ नामक उप-योजना के तहत केरल में विकास के लिए दो गंतव्यों, 'वर्कला' और 'थालास्सेरी' को चिह्नित किया गया है।

*****